(हिन्दी दैनिक)

लखनऊ का अभिमान

रा

लखनऊ बुधवार 25

जल शक्ति अभियान कैच द रेन 2022 व्हेन इट फॉल्स व्हेयर इट फॉल्स के तहत वाटर कंजर्वेशन एंड रेन वाटर हार्वेस्टिंग विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया

लखनऊ। नारी शिक्षा निकेतन स्नातकोत्तर महा विद्या लय मेआज दिनांक 24 मई 2022 को जल शक्ति अभियान कैच द रेन 2022 व्हेन इट फॉल्स व्हेयर इट फॉल्स के तहत वाटर कंजर्वेशन एंड रेन वाटर हार्वेस्टिंग विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एवं मुख्य वक्ता का स्वागत प्राचार्या प्रोफेसर सपना वर्मा द्वारा किया गया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री संजय गोपाल भरतरिया, रीजनल डायरेक्टर , सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड, नॉर्दन रीजन , लखनऊ द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा भारत में जल का कितना प्रयोग कर रहे हैं , किन जगहों पर ज्यादा प्रयोग कर रहे हैं, वॉटर बेड की स्थिति क्या है, पर विस्तारपूर्वक बताया गया । जल का ज्यादा प्रयोग घरेलू, सिंचाई एवम औद्योगिक इकाइयों में होता है। यह जल शक्ति अभियान का तीसरा चरण है जिसमें पांच विषयों वाटर कंजर्वेशन, परंपरागत जल निकायों का पुनरुद्धार , वाटरशेड डेवलपमेंट, रिचार्ज बोरवेल, वनीकरण पर बल दिया जा रहा। उन्होंने बताया कि पूरे विश्व में केवल 3: पानी पीने योग्य है एवं पीने योग्य पानी का 68: ग्लेशियर के रूप में एवं 30: ग्राउंडवाटर के रूप में है। ग्रीन रीयोल्यूशन आने के बाद जल की समस्या ज्यादा विकट हो गई है। भारतीय जनसंख्या विश्व का 18: है जबकि विश्व का केवल 4: वाटर बॉडीज भारत में है । हम जल का प्रयोग ज्यादा कर रहे हैं । बोरवेल के कारण ग्राउंड वॉटर का लेवल लगातार नीचे गिरता जा रहा है। बुंदेलखंड के एरिया में हार्ड रॉक ज्यादा पाया जाता है इसीलिए जल की समस्या ज्यादा विकट है। लखनऊ के शहरी क्षेत्र में मानसून के बाद भी जल की समस्या है क्योंकि हर जगह इमारतों आदि को बना दिया है, जिस कारण बारिश के पानी को इकट्ठा नहीं कर पा रहे है। रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जिसमें रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, सरफेस रेनवेटर हार्वेस्टिंग के द्वारा जल को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। नदी जोड़ो परियोजना पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डा अनिमा चौधरी ने किया।कार्यक्रम में रेड रिबन कमिटी के सभी सदस्य डॉ. रजिया परवीन, डॉ. ममता डोगरा, डॉ इंदु कनौजिया ,डॉ. दिव्या पाल डॉ. रश्मि मिश्रा, शशि वर्मा एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।छात्राओं ने अपने प्रश्न पूछे और सभी की बढ़-चढ़कर भागीदारी रही । छात्राओं ने जल का दुरुपयोग करने वाले व्यक्तियों का शिकायत करने हेतु, एक हेल्पलाइन नंबर का सुझाव दिया जिसका स्वागत करते हुए श्री भरतिया ने छात्राओं की प्रशंसा की और माननीय मुख्य मंत्री तक इसे पहुँचाने की अपील की ।